मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस की वर्षगांठ

के अवसर पर

माननीय मुख्यमंत्री

श्री शिवराज सिंह चौहान

का

संदेश

1 नवम्बर, 2009

प्रिय बहनों और भाइयों,

आज का दिन अत्यन्त आनंद का दिन है। आज के दिन ही मध्यप्रदेश का गठन हुआ था। मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस की इस वर्षगांठ पर मैं आप सबका हृदय से अभिनंदन करता हूँ।

आज से हम 'आइए अपना मध्यप्रदेश बनायें' अभियान शुरू कर रहे हैं। पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक फैले देश के नाड़ी तंत्र का केंद्र हमारा प्रदेश है। इस अभियान में हमारा उद्देश्य है कि मध्यप्रदेश के हर निवासी में, भले ही वह भारत के अन्य प्रदेशों या विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में निवासरत् हो, अपने प्रदेश के प्रति गर्व, अपनत्व और इसके विकास में योगदान देने की ललक पैदा हो। आज का दिन मध्यप्रदेश को समृद्ध और विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वयं को पुर्नसंकल्पित करने का दिन है।

हमारे यहां प्रकृति और संस्कृति दोनों के सौंदर्य की बहुरंगी सम्पदाएं बिखरी पड़ी हैं। सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रृंखलाओं से लेकर नर्मदा, क्षिप्रा, चंबल, ताप्ती, वेत्रवती आदि पवित्र नदियाँ यहां हैं। भारत में प्रकृति ने हीरा केवल मध्यप्रदेश को दिया। देश का सबसे बड़ा वनक्षेत्र हमारे यहां है। सांची, खजुराहो, भीमबेटका के रूप में हमारे पास तीन विश्व धरोहरें हैं। हमारे सामने इस प्राकृतिक और सांस्कृतिक सम्पन्नता का आदर्श उपयोग तय करने की चुनौती है, ताकि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक भी सम्पन्न हो सके। हमने विकास किया है, लेकिन उन्नति और प्रगति की बहुत-सी संभावनाएं अभी खुली हुई हैं।

प्रदेश को विकसित राज्यों की अग्रपांत में ले जाकर खड़ा करने के लिये व्यापक सर्वानुमति तैयार किये जाने की जरूरत है। मध्यप्रदेश में राजनीतिक सौजन्य की एक लंबी परंपरा रही है। जब भी विकास की बात आती है तो सब राजनीतिक दल एक हो जाते हैं। मध्यप्रदेश बनाने का जो अभियान आज हम आरंभ कर रहे है वह विकास में सबकी भागीदारी सुनिश्चित करने की पहल है।

ज़ो जहां जिस भूमिका में है, वह वहां अपने प्रदेश के प्रति अपने-अपने कर्तव्यों को पूरा करे। सरकार और समाज के साथ खड़े होने से ही प्रदेश के नवनिर्माण के सपने को साकार किया जा सकता है। सार्थक सामाजिक और आर्थिक अधोसंरचनाएं विकसित करना सरकार और समाज दोनों का मिला-जुला काम है। इसमें प्रत्येक नागरिक को एक सक्रिय भूमिका निभानी है। हर नागरिक अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करे, अधिकारों से ज्यादा कर्तव्यों के प्रति सजगता और संवेदनशीलता दर्शायें, तो लक्ष्य हासिल करना कठिन नहीं होगा। आवश्यकता सिर्फ यह है कि उन सब कारणों, कर्कशताओं और कड़वाहटों को मिटा दिया जाये जो समाज को बांटती और विकास की रफ्तार को मंद करती हैं।

इस अभियान के तहत हमें अपनी सम्पदाओं का संरक्षण और संसाधनों का संतुलित उपयोग करना होगा। जहां हरियाली को बचाना है, वहीं उसे बढ़ाना भी है। इस हेतु हममें से हर एक को वृक्षारोपण से जुड़ना होगा। जल-संरक्षण भी हमारी सामूहिक जवाबदारी है। यही बात बिजली बचाने पर भी लागू होती है।

हमें अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने, नदियों तथा सरोवरों को स्वच्छ रखने के आदर्शों का पालन करना होगा। हमें अपने पर्यावरण, अपने जंगलों, झीलों, वन्य जीवन की सुरक्षा और समृद्धि के लिये कटिबद्ध होना होगा। नशा आज हमारे सामाजिक जीवन का कलंक बन गया है, इसलिए नशा-मुक्ति के वास्ते भी हम सबको मिलकर मुहिम चलानी है।

मैं सिर्फ सामाजिक महत्व के कार्यों की ओर ही इस अभियान में आपके सहकार को आमंत्रित नहीं कर रहा हूं, बल्कि पारिवारिक जिम्मेदारियों की ओर भी आपका ध्यान इसलिए खींचना चाहता हूं कि परिवार ही समाज की इकाई है। हमें स्मरण रखना होगा कि बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान देने एवं बेटी का बिना किसी भेद-भाव के पालन करने से परिवार सुखी एवं समृद्ध होगा। ऐसा परिवार ही उन्नत और विकसित प्रदेश की नींव बन सकता है।

'अपने मध्यप्रदेश' के सर्वांगीण विकास के हम सबके साझे सपने को मूर्त रूप देने के इस अभियान में सहभागी बनने के लिए मैं आप सबका आव्हान करता हूँ। आईये, हम सब मिलकर अपने प्रदेश के नव निर्माण का संकल्प लें।